www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित
देश की उपासना
देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए
DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर
वर्ष – 04 अंक – 351 जौनपुर, मंगलवार, 11 अगस्त 2026 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

छात्र प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई से भाजपा का भारी हंगामा

झारखंड, (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने राज्य में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर जमकर हंगामा किया, जिससे विधानसभा अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही दूसरी बार भी स्थगित करनी पड़ी। विपक्षी विधायक आसन के निकट आ गए और सोमवार को प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो के बार–बार अनुरोध के बावजूद भाजपा विधायक अपनी सीट पर नहीं लौटे। महतो ने सदन की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक के लिए और फिर उसके बाद अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी। दोपहर 12 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही पुनरू शुरू हुई, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने छात्रों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले दागने और पानी की बौछार करने सहित कथित कार्रवाई पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जवाब मांगा। इससे पहले, कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने छात्रों के विरोध का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि अभ्यर्थियों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान भाजपा समर्थित असामाजिक तत्वों ने हिंसा की। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के सदस्य आसन के निकट आ गए जिसके कारण कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। हजारों अभ्यर्थियों और छात्रों ने सोमवार को विधानसभा की ओर मार्च निकाला, कई अवरोधकों को पार कर लिया तथा पुलिसकर्मियों के साथ उनकी झड़प भी हुई। प्रदर्शनकारियों के विधानसभा की ओर बढ़ने पर पुलिस ने जगन्नाथपुर मंदिर के पास पानी की बौछारें कीं और आंसू गैस के गोले दागे। कई प्रदर्शनकारियों ने घायल होने का दावा किया है, जबकि रांची पुलिस ने कहा कि विरोध प्रदर्शन के दौरान 14 पुलिसकर्मी घायल हुए। कई परीक्षाओं को रद्द करने तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या झारखंड से बाहर के उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के एक पैनल द्वारा स्वतंत्र जांच की मांग ।

खिलाड़ियों ने केवल पदक नहीं, एक पीढ़ी तैयार की - पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के राष्ट्रमंडल खेलों के चौंपियनों से बातचीत की और देश को गौरवान्वित करने के लिए उन्हें बधाई दी। इस दौरान उन्होंने पिछले एक दशक में भारतीय खेलों में आए बदलाव, खिलाड़ियों की उपलब्धियों, जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को तैयार करने और देश में व्यापक खेल संस्कृति विकसित करने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों के पदक स्कूलों में युवाओं को किसी भी मौखिक प्रोत्साहन से कहीं अधिक प्रेरित करते हैं और उन्हें भरोसा है कि भारतीय एथलीट भविष्य में भी देश के लिए जीत हासिल करते रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय खेलों के बदलते परिदृश्य पर चर्चा करते हुए कहा कि उनके करीब 12–13 साल के कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय खिलाड़ियों का उनके आवास पर स्वागत करना एक नियमित और प्रिय परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि देश के लिए लगातार जीत हासिल करने में भारतीय एथलीटों की मेहनत और सफलता युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का बड़ा माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा, "आपका पदक उन्हें स्कूलों में जाकर जो कुछ भी कह सकता है, उससे कहीं अधिक प्रेरित करता है।" पीएम नरेंद्र मोदी ने एक एथलीट से बातचीत के दौरान उनकी बेटियों के खेल अपनाने और उनकी प्रगति से जुड़ी चर्चा की। एथलीट ने बताया कि उसने अपनी बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है और उन्हें भरोसा है कि वे आगामी राष्ट्रमंडल खेलों में तीन पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाएंगी। प्रधानमंत्री ने उनके आत्मविश्वास की सराहना की और उत्कृष्टता के लिए उनके संकल्प को प्रोत्साहित किया। प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों की भावनात्मक और संघर्षपूर्ण यात्रा का भी उल्लेख किया। उन्होंने एक खिलाड़ी का जिक्र किया, जिसने गुरु पूर्णिमा के दिन मिली जीत अपने कोच को समर्पित की। वहीं, एक अन्य एथलीट चार साल तक लगातार चोटों और व्यक्तिगत कठिनाइयों से जूझने के बाद पोडियम पर पहुंचा ।

झंडों को जमीन पर नहीं फेंकना चाहिए – गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को ध्वज संहिता का पालन करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने कहा कि हालांकि महत्वपूर्ण राष्ट्रीय, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों के दौरान आम लोग कागज से बने झंडे लहरा सकते हैं, लेकिन कार्यक्रमों के बाद उन्हें फेंका या जमीन पर नहीं डाला जाना चाहिए। कल सोमवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को भेजे गए एक संदेश में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज फहराने से जुड़े कानूनों, तौर–तरीकों और नियमों के बारे में लोगों के साथ–साथ सरकारी संगठनों और एजेंसियों में भी अक्सर जानकारी की कमी देखी जाती है। इसमें कहा गया, "मुझे यह कहने का निर्देश दिया गया है कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश के लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं का प्रतीक है, इसलिए इसे सम्मानजनक स्थान मिलना चाहिए।" मंत्रालय ने राज्यों से कहा कि वे इस संबंध में बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रम चलाएं और

इलेक्ट्रॉनिक तथा प्रिंट मीडिया में विज्ञापनों के जरिए इनका व्यापक प्रचार–प्रसार करें। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नागरिकों से तिरंगा यात्राओं, तिरंगा रैलियों और 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन के माध्यम से इस अभियान में भाग लेने और इसे मनाने तथा हर घर तिरंगा की आधिकारिक वेबसाइट पर तिरंगा फहराते हुए अपनी सेल्फी साझा करने की अपील की। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक संदेश में उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुरू किया गया 'हर घर तिरंगा' अभियान हमारे राष्ट्र की सामूहिक ताकत का प्रतिबिंब है।

राहुल के समर्थन में खड़ी हुई प्रियंका गांधी, अमित शाह से बयान देने की मांग की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने झारखंड में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मुलाकात की। यह मुलाकात संसद में छात्रों के आंदोलन को लेकर चल रहे राजनीतिक तनाव के बीच हुई। संसद पहुँचने पर, जहाँ छक। सांसद विपक्ष पर सदन की चर्चाओं से बचने का आरोप लगाते हुए विरोध–प्रदर्शन कर रहे थे, प्रियंका गांधी ने कहा कि राहुल गांधी झारखंड के छात्रों से मिले हैं। उन्होंने संसद परिसर के अंदर सत्ताधारी पार्टी के सांसदों के विरोध प्रदर्शन की आलोचना की और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बयान देने की मांग की। उन्होंने कहा कि मैंने पहली बार देखा है कि सत्ताधारी पार्टी के सांसद विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कम से कम हमने उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर तो किया। अब उन्हें (अमित शाह) आकर बयान देना चाहिए। ये टिप्पणियां सोमवार को रांची में राज्य विधानसभा के बाहर छात्रों के प्रदर्शन के बाद आईं, जो अपनी मांगों और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर विरोध कर रहे थे। जब छात्र और नौकरी के उम्मीदवार विधानसभा की ओर बढ़े तो स्थिति बिगड़ गई और पुलिस के साथ झड़प हो गई। बैरिकेड्स तोड़े जाने के बाद अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए बल का प्रयोग किया। झारखंड में छात्रों का आंदोलन एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है।

दिल्ली बनेगी धार्मिक–आध्यात्मिक पर्यटन का हब, सीएम रेखा गुप्ता ने लॉन्च किए 4 नए टूरिज्म सर्किट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज मंगलवार को अक्षरधाम मंदिर परिसर में चार नए टूरिज्म सर्किट लॉन्च किए। 'आध्यात्मिक एवं विरासत पर्यटन सम्मेलन 2026' के शीर्षक तले आयोजित इस कार्यक्रम को दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित किया गया। सद्घगुरु जग्गी वासुदेव ने भी इस सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन के दौरान अक्षरधाम परिसर में एक विशेष 'हेरिटेज वॉक' का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने दिल्ली की सांस्कृतिक और स्थापत्य धरोहर से जुड़ी बारीकियों की जानकारी हासिल की। अक्षरधाम की दिव्य पवित्र भूमि पर आयोजित इस कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। सद्गुरु ने अक्षरधाम मंदिर के दर्शन किए और मंदिर की आध्यात्मिक गरिमा को सराहा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अक्षरधाम परिसर की पवित्रता और आध्यात्मिक अनुभूति में इस कार्यक्रम के लोकार्पण करते हुए खुशी जाहिर की। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे हुआ। पर्यटन विभाग द्वारा विमोचित ये चार नए सर्किट राजधानी के प्रमुख मंदिरों, अन्य धार्मिक स्थानों के साथ–साथ उन ऐतिहासिक व सांस्कृतिक स्थलों को भी आपस में जोड़ते हैं जो अभी तक पर्यटन के नक्शे में कम चर्चित रहे हैं। पर्यटन विभाग का उद्देश्य पर्यटकों को एक ही यात्रा में दिल्ली की समृद्ध धार्मिक और ऐतिहासिक विरासत का अनुभव कराना है। वहीं, 12 अगस्त को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स को इन रूट्स की सैर कराई जाएगी। इसके बाद वीडियो, रील्स और तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की जाएंगी। इससे पहले फरवरी 2026 में दिल्ली सरकार 'दिल्ली की धरोहर', 'दिल्ली का दिल और विरासत', 'दिल्ली का रहस्य' और 'दिल्ली देखो दिल से' नाम से चार हेरिटेज–कल्चरल सर्किट शुरू कर चुकी है। सरकार का मानना है कि इन सर्किट के लोकप्रिय होने से स्थानीय गाइड, परिवहन संचालकों, रेस्तरां, दुकानदारों और अन्य छोटे कारोबारियों के लिए भी आर्थिक अवसर बढ़ेंगे।

भाजपा ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, कहा- डरें नहीं, संसद में गृह मंत्री का भाषण सुनें

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने संसद में जारी विपक्ष के हंगामे पर राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की हमेशा से आदत रही है कि वो सदन में जवाब नहीं सुनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह हर विषय पर जवाब देने को तैयार हैं लेकिन कांग्रेस, इससे भाग रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास रहा है कि वो सदन में चर्चा से भागती है। प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा सांसद ने दावा किया और राहुल गांधी को चुनौती दी है कि गृह मंत्री सदन में आकर बिंदुवार जवाब देने को तैयार हैं, इसीलिए सदन छोड़कर आप न भागे। रांची में छात्रों के आंदोलन का जिक्र करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि रांची में अनुशासित, मर्यादित छात्र जो पूर्णतः गैर राजनीतिक, सामान्य, समुचित मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, उनके साथ जो व्यवहार हो रहा है वह अनुचित है। राहुल गांधी के कान पूरी तरह से बंद हैं। रांची के छात्रों की गूंज उन्हें सुनाई नहीं दे रही है। सत्र के दौरान सदन से भागते हैं और सत्र के बाद विदेश भागते हैं। यह स्वाभाविक है कि इस बार भी वे सत्र के बाद विदेश भागेंगे, लेकिन इससे पहले इतनी हिम्मत जुटाइए, इतना साहस जुटाइए और गृह मंत्री का वक्तव्य सुनकर जाइए। उन्होंने विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी का जिक्र करते हुए कहा कि जब खरगे जैसे सीनियर नेताओं ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता का पद संभाला और इससे पहले जब अधीर रंजन चौधरी लोकसभा में विपक्ष के नेता थे, तब भी ऐसी स्थिति कभी नहीं देखी गई। उस समय के बारे में सोचिए जब अरुण जेटली विपक्ष के नेता थे या अटल जी की सरकार के दौरान जब सोनिया गांधी और डॉ. मनमोहन सिंह विपक्ष में थे। क्या ऐसा नजारा पहले कभी देखा गया था। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि संसद का मानसून सत्र अपने आखिरी दौर में है। इस सत्र के बाद भारत अपनी आजादी के 80वें साल में प्रवेश करेगा।

छात्रों के आंदोलन को सत्ता–विपक्ष की राजनीति से बचाएं – मायावती

लखनऊ, (संवाददाता)। बसपा सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को छात्रों और युवाओं के मुद्दे पर केंद्र और राज्य सरकारों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सत्ता और विपक्ष किसी न किसी मुद्दे की आड़ में जनता का ध्यान ज्वलंत समस्याओं से भटका रहे हैं। छात्रों और जेन–जी के आंदोलनों को राजनीतिक दलों की राजनीति का हिस्सा नहीं बनने देना चाहिए। मायावती ने कहा कि दिल्ली के जंतर–मंतर पर छात्रों और युवाओं के आंदोलन को कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने हाईजैक कर लिया। अब झारखंड की राजधानी रांची में चल रहे छात्रों और युवाओं के आंदोलन के समर्थन में भाजपा और उसके सहयोगी दल सामने आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों जगह युवाओं की समस्याओं के समाधान के बजाय चुनावी स्वार्थ की राजनीति अधिक दिखाई दे रही है। उन्होंने देशभर के छात्रों और जेन–जी से अपील की कि वे सत्ता और विपक्ष के कथित षड्यंत्र से दूर रहें और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए राजनीतिक दलों का सावधानी से इस्तेमाल करें। बसपा प्रमुख ने रोजगार के मुद्दे पर कहा कि उनकी सरकारों में छात्रों और युवाओं की समस्याओं का विशेष ध्यान रखा गया। सरकारी भर्तियों पर लगी रोक हटाकर लाखों लोगों को रोजगार के अवसर दिए गए ।

अमेरिका–ब्रिटेन–कनाडा के दौरे पर जाएंगे मोहन भागवत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत 25 अगस्त से संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम की यात्रा करेंगे। यह जानकारी सूत्रों के अनुसार है। डॉ. भगवत भारतीय प्रवासी समुदाय से जुड़े विभिन्न स्थानीय संघों और संगठनों के निमंत्रण पर विदेश यात्रा करने वाले हैं। यह दौरा ऐसे अहम समय पर हो रहा है जब आरएसएस अपनी शताब्दी मना रहा है। अपने दौरे के दौरान, भगवत के भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों और स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधियों से बातचीत करने की उम्मीद है। उनकी यात्रा कार्यक्रम और व्यस्तताओं के बारे में आगे की जानकारी बाद में घोषित किए जाने की उम्मीद है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के एक पोस्ट में, आरएसएस प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक (प्रमुख) डॉ. मोहन भगवत विदेशों में स्थित स्थानीय संघों और संगठनों के निमंत्रण पर 25 अगस्त 2026 से अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन की यात्रा पर रहेंगे। यह यात्रा आरएसएस के चल रहे शताब्दी वर्ष के अवसर पर हो रही है इससे पहले, भगवत ने मुंबई में भारत के अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्र एकीकरण आंदोलन (आईआईएमयूएन) के 15 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में युवाओं को संबोधित किया। आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत ने कहा कि लोकतंत्र में आम सहमति बनाने का एक तरीका विरोध प्रदर्शन भी है। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी आंदोलन का उद्देश्य व्यवस्था में सुधार लाना होना चाहिए।नई पीढ़ी मौजूदा पीढ़ी से कहीं अधिक ईमानदार हैं। देशभक्ति और सेवा की सच्ची अपील उन पर असर डालती है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि युवा पीढ़ी का दृष्टिकोण पुरानी पीढ़ी से अलग है और वे तर्क को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा, जेनरेशन जी के बारे में मेरे अनुभव के अनुसार, जब हम उनकी उम्र के थे, तो बड़ों की हर बात मान लेते थे,

हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के सकुशल एवं भव्य आयोजन मे की जाये स्कूली बच्चों की भी सहभागिता - सीडीओ

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। सीडीओ कृष्ण कुमार सिंह ने अपने कार्यालय में मंगलवार को 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के सकुशल एवं भव्य आयोजन की तैयारियों के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की।इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को पूरी गरिमा, भव्यता एवं उत्साह के साथ आयोजित किया जाए।इस अवसर पर मुख्य कोषाधिकारी ममता सिंह, डीसी एनआरएलएम,जिला विकास अधिकारी,जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला पर्यटन अधिकारी व अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम में स्कूली बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित की जाए।विद्यालयों में देशभक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराए जाएं तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित भी किया जाए।बैठक मे जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया गया कि 15 अगस्त के अवसर पर विद्यालयों में विविध सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रमों का आयोजन कराया जाए।उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद के सभी विकासखंडों में तिरंगा यात्रा का आयोजन कराया जाए।ग्राम प्रधानों के माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत में भी तिरंगा यात्रा निकाली जाए तथा ग्रामीणों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित की जाए।उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान को जनभागीदारी के साथ व्यापक रूप से सफल बनाया जाए। कार्यक्रम के दौरान साफ– सफाई एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा सभी आयोजन स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं।मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कार्यक्रमों की तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि स्वतंत्रता दिवस एवं हर घर तिरंगा अभियान को जनपद में भव्य, सुव्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण ढंग से मनाया जा सके।

संपादकीय

रोड–रोलर रुख

संसदीय परंपरा के तहत निचले सदन में विपक्ष के नेता को श्प्राइम मिनिस्टर इन वेटिंग्श कहा जाता है। इस रूप में कई राजनीति–शास्त्री इसे प्रधानमंत्री के बाद सबसे महत्वपूर्ण पद बताते हैं। इस मान्यता के पीछे प्रमुख तर्क है कि नेता विपक्ष सरकार से असहमत पूरे जनमत की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। लोकतांत्रिक अपेक्षा यह है कि इन भावनाओं की भी कद्र की जाए। तो कहा जाता है कि पक्ष– विपक्ष दोनों लोकतांत्रिक शासन–व्यवस्था के अंग हैं। लेकिन यह स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेता विपक्ष सवाल पूछते हुए पत्र लिखें, और गृह मंत्री उसकी पावती भेजने की जरूरत भी ना समझें। लो कसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 25 जुलाई को भेजे पत्र में अमित शाह से पूछा था कि 20 जुलाई को छात्र–नौजवानों के श्संसद मार्चश के दौरान घातक हथियारों के इस्तेमाल तथा सादी पोशाक में श्सुरक्षाकर्मियोंश की तैनाती का आदेश किसने दिया? 29 जुलाई को गांधी ने बताया कि जवाब तो दूर, पत्र का एक्नॉलेजमेंट तक उन्हें नहीं मिला है। गांधी ने वही प्रश्न लोकसभा में पूछे, लेकिन वे शोरगुल और हंगामे के बीच कहीं दब गए। गांधी का कहना है कि चूंकि दिल्ली पुलिस, रैपिड एक्शन फोर्स और सीआरपीएफ (जिन एजेंसियों की तैनाती थी) केंद्रीय गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करते हैं, अतरू दिल्ली में जो हुआ– अगर वह शाह की जानकारी में हुआ तो सारी जवाबदेही उनकी बनती है। अगर प्रदर्शनकारियों पर श्क्रूर हमलेश की जानकारी उन्हें नहीं थी, तो शाह अयोग्य गृह मंत्री माने जाएंगे। इन दोनों ही स्थितियों में अमित शाह का गृह मंत्री बने रहना अस्वीकार्य हो गया है। राहुल गांधी ने स्पष्ट किया कि अमित शाह की जवाबदेही का सवाल फिलहाल कांग्रेस का मुख्य मुद्दा है। इस तरह संसद और उसके बाहर टकराव एक नया फ्लैश प्वाइंट तैयार हो गया है। ऐसा संभवतरू नहीं होता, अगर शाह विपक्ष के प्रश्नों का उत्तर देते और दिल्ली की घटनाओं की निष्पक्ष जांच का एलान कर देते। मगर ऐसी बातों की अपेक्षा अब सदिच्छा भर मालूम पड़ती है। इसलिए सरकार के रोड–रोलर रुख ने संवाद से समाधान निकालने के सिस्टम को ही गतिरुद्ध कर रखा है।

वैश्विक ब्रांडों में पारंपरिक संपदा की वृद्धि

भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग स्थानीय समुदायों के लिए आर्थिक अवसर पैदा करते हुए भारत की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में उभरा है। उत्पादों को उनके मूल स्थान से जोड़कर, जीआई टैग पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करते हैं, दुरुपयोग को रोकते हैं और उपभोक्ता विश्वास को बढ़ाते हैं। वे कारीगरों, बुनकरों, किसानों और उत्पादक समूहों को बेहतर बाजार पहचान हासिल करने और प्रीमियम बाजारों तक पहुंच प्राप्त करने में मदद करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत के जीआई इकोसिस्टम का काफी विस्तार हुआ है, जो एक मजबूत कानूनी ढांचे और बढ़ती जन जागरूकता द्वारा समर्थित है। सरकार की पहल वित्तीय सहायता, निर्यात संवर्धन, पर्यटन एकीकरण और समर्पित विपणन प्लेटफार्मों के माध्यम से इस इकोसिस्टम को और मजबूत कर रही है। साथ ही, ये प्रयास जीआई उत्पादों को ग्रामीण विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और निर्यात–आधारित विकास के वाहकों के रूप में बदल रहे हैं। बनारस में एक बुनकर एक बनारसी साड़ी बनाने में कई सप्ताह का समय लगाता है। जटिलतापूर्ण जरी के काम का हर धागा असाधारण सटीकता और कौशल के साथ बुना जाता है। ये तकनीकें रातोंरात नहीं सीखी जाती हैं। वे सदियों पुरानी परंपरा को संरक्षित करते हुए पीढ़ियों से चले आ रहे हैं। फिर भी, इन प्रयासों और शिल्प कौशल के बावजूद, कई प्रामाणिक बनारसी साड़ियां अक्सर अपने वास्तविक मूल्य से बहुत कम कीमतों पर बेची जाती हैं। खरीदार हमेशा हाथ से बुनी हुई असली साड़ी को अन्य नकलों से अलग करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। यह वह जगह है जहां दो शब्द यानी जीआई टैग (भौगोलिक संकेत) सभी अंतर बनाते हैं। एक जीआई टैग प्रमाणित करता है कि साड़ी वास्तव में बनारस में पारंपरिक तरीकों का उपयोग करके बनाई गई है। यह खरीदारों को इसकी प्रामाणिकता, गुणवत्ता और सांस्कृतिक विरासत का आश्वासन देता है। परिणामस्वरूप, प्रामाणिक बनारसी साड़ी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में काफी अधिक कीमत प्राप्त कर सकती है। यह सुनिश्चित करता है कि बुनकर को उनकी शिल्प कौशल के लिए अधिक मान्यता और बेहतर आर्थिक लाभ मिले। जीआई टैग कारीगर शिल्प के लिए प्रामाणिकता की मुहर के रूप में कार्य करता है, उन्हें नकल, दुरुपयोग और अनधिकृत व्यावसायीकरण से बचाता है। हालांकि, इसका महत्व कानूनी सुरक्षा से कहीं आगे तक फैला हुआ है। उदाहरण के लिए, चन्नापटना के खिलौनों को 2006 में जीआई मान्यता मिली। ये मान्यता सिर्फ कर्नाटक के चन्नापटना क्षेत्र में बने लकड़ी के खिलौनों पर ही लागू होती है। खिलौनों का उत्पादन क्षेत्र की विशिष्ट लाह कला का उपयोग करके किया जाना चाहिए। हालांकि यह एक सरल प्रमाणन प्रतीत हो सकता है, टैग दूरगामी लाभ प्रदान कर सकता है। एक जीआई टैग एक लेबल से कहीं अधिक है। वस्त्र मंत्रालय के अनुसार, यह ग्रामीण कारीगरों की आय को 20–30 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है! किसी उत्पाद की उत्पत्ति और अनूठी विरासत को प्रमाणित करके, जीआई टैग खरीदारों के बीच विश्वास पैदा करते हैं और उत्पाद की बाजार अपील को बढ़ाते हैं। जैसे–जैसे उपभोक्ता तेजी से प्रामाणिकता, परंपरा और शिल्प कौशल की तलाश कर रहे हैं, जीआई मान्यता गुणवत्ता और सांस्कृतिक विशिष्टता के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में कार्य करती है। जीआई–टैग किए गए उत्पादों की बढ़ती मांग कारीगरों को अधिक दृश्यता प्राप्त करने, प्रीमियम बाजारों तक पहुंचने, उनकी सौदेबाजी की शक्ति को मजबूत करने और उनके काम से उत्पन्न मूल्य के एक बड़े हिस्से पर कब्जा करने में सक्षम बनाती है। मान्यता स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करती है। वे भविष्य की पीढ़ियों के लिए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्वदेशी शिल्प कौशल को संरक्षित करने और बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुजफ्फरनगर गुड़ की सफलता की कहानीरू स्थानीय विशेषता से लेकर वैश्विक बाजारों तक मुजफ्फरनगर गुड़ के लिए जीआई टैग ने विशिष्ट गुणवत्ता और उत्पत्ति के साथ एक प्रीमियम उत्पाद के रूप में अपनी पहचान को मजबूत करने में मदद की है। इस मान्यता का लाभ उठाते हुए, बृजनंदन एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी ने 2025 में बांग्लादेश को 30 मीट्रिक टन गुड़ का सफलतापूर्वक निर्यात किया। जीआई प्रमाणन ने खरीदारों के विश्वास को बढ़ाया और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उत्पाद की विपणन क्षमता में सुधार किया। परिणामस्वरूप, किसान के नेतृत्व वाली कंपनी को निर्यात के अवसरों तक पहुंच प्राप्त हुई। इसने अपने 545 सदस्यों के लिए आय की संभावनाओं को बढ़ाया और स्थानीय रूप से उत्पादित गुड़ के लिए अधिक मूल्य कायम किया। पश्चिम बंगाल की दार्जिलिंग चाय जीआई टैग प्राप्त करने वाला भारत का पहला उत्पाद था, जिसमें उत्पाद और उसके लोगो दोनों को सुरक्षा प्रदान की गई थी। अन्य शुरुआती पंजीकरणों में केरल के एक पारंपरिक हस्तशिल्प अरनमुला कन्नडी और तेलंगाना के एक प्रसिद्ध वस्त्र शिल्प पोचमपल्ली इकत शामिल थे।

रूट मैप देखकर मोदी-पुतिन की रणनीति के कायल हो जाएंगे

नीरज

पश्चिम एशिया में जारी अस्थिरता और समुद्री व्यापार मार्गों पर बढ़ते जोखिम के बीच रूस ने भारत के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को एक नई दिशा देने वाला बड़ा प्रस्ताव सामने रखा है। रूस के उप प्रधानमंत्री मराट खुसनुलिन ने मॉस्को से हिंद महासागर तक सीधे रेल संपर्क की संभावनाएं तलाशने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि बोस्फोरस और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे रणनीतिक समुद्री मार्गों पर बढ़ते जोखिमों को देखते हुए रूस और भारत के बीच वैकल्पिक जमीनी संपर्क विकसित करना जरूरी हो गया है। खुसनुलिन ने कहा कि तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रास्ते भारत तक पहुंचने वाले विकल्पों पर विचार किया जा सकता है और भारत तक पहुंच उपलब्ध कराने वाला कोई भी विकल्प स्वीकार्य होगा। देखा जाये तो यह प्रस्ताव केवल रेलवे लाइन बिछाने की सामान्य योजना नहीं है। इसके पीछे बदलती वैश्विक भू–राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार मार्गों की विश्वसनीयता और रूस–भारत के बीच लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक दोस्ती का बड़ा आयाम छिपा है। खास तौर पर ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया के संघर्ष ने दुनिया को यह दिखा दिया है कि किसी एक समुद्री चोकपॉइंट पर अत्यधिक निर्भरता वैश्विक व्यापार के लिए कितनी बड़ी कमजोरी बन सकती है। रूस के इस प्रस्ताव को समझने के लिए मौजूदा भू–राजनीतिक परिस्थितियों को देखना जरूरी है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के बाद पश्चिम एशिया में तनाव तेजी से बढ़ा। ईरान की जवाबी मिसाइल और ड्रोन कार्रवाइयों के बाद फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात पर गंभीर असर पड़ा। रिपोर्टों के मुताबिक होर्मुज से होकर गुजरने वाला वैश्विक तेल व्यापार का करीब पांचवां हिस्सा प्रभावित हुआ। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में शामिल है। इसी तरह तुर्किये के नियंत्रण वाला बोस्फोरस जलडमरूमध्य काला सागर को मरमारा सागर से जोड़ता है। ऐसे समुद्री 'चोकपॉइंट' किसी भी संकट की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं। यही वजह है कि मॉस्को अब समुद्री मार्गों के साथ–साथ वैकल्पिक स्थलीय व्यापार नेटवर्क विकसित करने पर जोर दे रहा है। इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने संभावित रेल मार्ग के अंतिम गंतव्य के रूप में भारत को विशेष महत्व दिया है। यह संयोग नहीं है। भारत और रूस पहले से ही के प्रमुख साझेदार हैं। लगभग 7200 किलोमीटर लंबा यह बहु–माध्यमीय कॉरिडोर रूस को ईरान और भारत से जोड़ने की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसमें रेल, सड़क और समुद्री परिवहन का संयोजन शामिल है। मौजूदा व्यवस्था में रूस से आने वाला माल कजाखस्तान और तुर्कमेनिस्तान होते हुए ईरान पहुंच सकता है। वहां से रेल नेटवर्क के जरिए बंदर अब्बास जैसे बंदरगाहों तक और फिर समुद्री रास्ते से भारत भेजा जा सकता है। पूर्वी शाखा में कजाखस्तान–तुर्कमेनिस्तान–ईरान मार्ग की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस लिहाज से रूसी उप प्रधानमंत्री खुसनुलिन का प्रस्ताव बिल्कुल शून्य से शुरू होने वाली परियोजना नहीं, बल्कि मौजूदा कनेक्टिविटी ढांचे को और आगे बढ़ाने की सोच है। लक्ष्य यह हो सकता है कि आने वाले समय में रूस और भारत के बीच माल ढुलाई को ज्यादा तेज, भरोसेमंद और बहुविकल्पीय बनाया जाए। हालांकि इस खबर ने यात्रियों और रेलवे प्रेमियों की कल्पना को जरूर हवा दी है, लेकिन फिलहाल इसे मॉस्को से दिल्ली या मुंबई तक चलने वाली सीधी यात्री ट्रेन समझना जल्दबाजी होगी। अभी तक रूस या भारत की ओर से इस

तरह की यात्री सेवा या पर्यटन केंद्रित ट्रेन की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। रूसी उप प्रधानमंत्री के प्रस्ताव का मूल उद्देश्य फ्रेट, लॉजिस्टिक्स और रणनीतिक कनेक्टिविटी है। वैसे भी यात्री सेवा शुरू करने में कई व्यावहारिक अड़चनें होंगी जैसे कई देशों के वीजा, अलग–अलग रेल गेज, सीमा और सुरक्षा जांच, विभिन्न देशों के रेलवे के बीच समय–सारिणी का तालमेल तथा यात्री सुविधाओं का अभाव। लेकिन भविष्य की संभावना को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। यदि कॉरिडोर स्थिर, सुरक्षित और आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनता है तो बाद में यात्री रेल सेवा की संभावना तलाशना संभव होगा। ऐसी ट्रेन यूरेशिया के विशाल भूभाग, मध्य एशिया और ऐतिहासिक सिल्क रूट के शहरों को जोड़ने वाली असाधारण यात्रा बन सकती है। वैसे रूस के इस प्रस्ताव का सबसे बड़ा फायदा भारत को कनेक्टिविटी की रणनीतिक विविधता के रूप में मिल सकता है। भारत की विदेश और आर्थिक नीति लंबे समय से यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि उसकी व्यापारिक आपूर्ति किसी एक मार्ग या एक देश पर निर्भर न रहे। इसलिए रूस से भारत तक मजबूत स्थलीय नेटवर्क बनने पर भारतीय कारोबारियों को रूसी बाजार तक पहुंच का एक वैकल्पिक रास्ता मिलेगा। इससे मशीनरी, ऊर्जा संसाधन, उर्वरक, धातु, कृषि उत्पाद और अन्य वस्तुओं की आवाजाही अधिक लचीली हो सकती है। दूसरा बड़ा लाभ समय और लागत का हो सकता है। मूल उद्देश्य भी पारंपरिक समुद्री मार्गों की तुलना में माल परिवहन को तेज और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना है। पूर्ण रूप से विकसित नेटवर्क भारत–रूस व्यापार को नई गति दे सकता है। एक और सबसे महत्वपूर्ण लाभ ऊर्जा सुरक्षा है। होर्मुज जैसी किसी एक संवेदनशील समुद्री पट्टी पर निर्भरता कम होने से भारत वैश्विक संकटों के दौरान अपनी आपूर्ति श्रृंखला को ज्यादा प्रभावी ढंग से संभाल सकता है। हालांकि प्रस्तावित मार्ग में पाकिस्तान का नाम आना इसे रणनीतिक रूप से बेहद दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण बनाता है। रूस ने संभावित विकल्पों में तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान का उल्लेख किया है। लेकिन भारत–पाकिस्तान संबंधों की मौजूदा जटिलताओं को देखते हुए इस रास्ते को तत्काल व्यवहार्य मानना कठिन होगा। यही कारण है कि भारत के लिए ईरान और मध्य एशिया के रास्ते विकसित होने वाले वैकल्पिक नेटवर्क अधिक व्यावहारिक महत्व रखते हैं। इस परियोजना का एक व्यापक भू–राजनीतिक प्रभाव चीन पर भी पड़ सकता है। चीन ने वर्षों से उमसज ंदक त्वंक प्दपजपंजपअम के जरिए यूरेशिया में अपनी परिवहन और आर्थिक पहुंच बढ़ाई है। इसके मुकाबले भारत–रूस समर्थित छैज्ञ और उससे जुड़े नए रेल नेटवर्क यूरेशिया में एक वैकल्पिक आर्थिक गलियारा मजबूत कर सकते हैं। भारत को इससे यह अवसर मिलेगा कि वह चीन केंद्रित कनेक्टिविटी मॉडल के समानांतर अपना प्रभाव क्षेत्र विकसित करे।

ढाका की राजनीति और भारत–बांग्लादेश संबंधों की नई परीक्षा

ललित

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिसंबर 2026 में स्वदेश लौटने की घोषणा केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की बदलती भू–राजनीति, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारत–बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बन गया है। जिस समय बांग्लादेश की राजनीति सत्ता परिवर्तन, वैचारिक ध्रुवीकरण और संस्थागत अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, उसी समय शेख हसीना ने यह घोषणा कर राजनीतिक विमर्श को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। उनका यह कहना कि 'गिरफ्तारी, जेल या मृत्यु का भय भी उन्हें अपने देश लौटने से नहीं रोक सकता', उनके समर्थकों के लिए भावनात्मक आह्वान है तो विरोधियों के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती। बांग्लादेश में पिछले वर्ष सत्ता परिवर्तन के बाद जो राजनीतिक वातावरण बना, उसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और राजनीतिक सहिष्णुता पर लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा शेख हसीना के विरुद्ध सुनाया गया फैसला और उसके बाद उनके समर्थकों पर बढ़ती कार्रवाइयों ने यह संकेत दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा धीरे–धीरे प्रतिशोध की राजनीति में बदलती जा रही है। हाल ही में उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल रहे पूर्व क्रिकेट कप्तान साकिब अल हसन के घर पर हुआ हमला भी इस बात का संकेत है कि राजनीतिक असहमति अब सामाजिक तनाव का रूप लेने लगी है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक करीबी सहयोगी द्वारा शेख हसीना को 'तुरंत लौटकर सामना करने' की चुनौती देना बताता है कि बांग्लादेश का राजनीतिक वातावरण अभी भी सामान्य नहीं हुआ है। लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है। शेख हसीना की वापसी को केवल एक व्यक्ति की वापसी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अवामी लीग को राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर रखने की कोशिश होती है, तो यह बांग्लादेश के लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाएगा। वास्तविकता यह भी है कि बांग्लादेश की राजनीति आज केवल अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बीच सत्ता संघर्ष तक सीमित नहीं रह गई है। अब यह संघर्ष राष्ट्र की ऐतिहासिक पहचान, 1971 के मुक्ति संग्राम की विरासत और भविष्य की वैचारिक दिशा का भी बन चुका है। अवामी लीग स्वयं को मुक्ति संग्राम की मूल चेतना का प्रतिनिधि बताती है, जबकि बीएनपी भी अब उसी विरासत पर अपना दावा प्रस्तुत कर रही है। इतिहास की इस प्रतिस्पर्धी व्याख्या ने राजनीतिक ध्रुवीकरण को और गहरा किया है। ऐसी परिस्थितियों में शेख हसीना की वापसी केवल राजनीतिक समीकरण नहीं बदलेगी, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श की दिशा भी प्रभावित करेगी। इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के रिश्ते नहीं हैं, बल्कि साझा इतिहास, संस्कृति, भाषा, आर्थिक सहयोग और सामरिक हितों पर आधारित हैं। पिछले डेढ़ दशक में दोनों देशों के संबंधों में अभूतपूर्व निकटता आई, जिसका एक बड़ा आधार शेख हसीना सरकार और नई दिल्ली के बीच बना विश्वास था। सीमा विवादों का समाधान, ऊर्जा सहयोग, संपर्क परियोजनाएं, आतंकवाद के विरुद्ध साझा कार्रवाई तथा पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिवर्तन ने इस विश्वास की नई परीक्षा शुरू कर दी है। नई दिल्ली ने एक ओर शेख हसीना को सुरक्षा और आश्रय दिया है, वहीं दूसरी ओर उसने ढाका की नई सरकार से संवाद भी जारी रखा है। यही परिपक्व कूटनीति का परिचायक है। भारत के सामने चुनौती किसी एक राजनीतिक दल के साथ खड़ा दिखाई देने की नहीं, बल्कि पूरे बांग्लादेश के साथ स्थायी और संतुलित संबंध बनाए रखने की है। इसी संदर्भ में नई दिल्ली में आयोजित होने वाला बारहवाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर बन सकता है। यदि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान इसमें भाग लेते हैं और भारत के शीर्ष नेतृत्व के साथ सकारात्मक संवाद होता है, तो दोनों देशों के बीच हाल के तनावों को कम करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यह केवल औपचारिक शिखर बैठक नहीं होगी, बल्कि दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली का अवसर भी होगी। भारत को इस मंच का उपयोग केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सुरक्षा सहयोग पर भी स्पष्ट संवाद स्थापित करना चाहिए। भारत के सामने अनेक जटिल प्रश्न भी हैं। गंगा जल संधि के नवीनीकरण, तीस्ता जल बंटवारे, सीमा–पार व्यापार, अवैध घुसपैठ, सीमा सुरक्षा तथा शेख हसीना के प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे आने वाले

समय में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेंगे। इनमें किसी भी विषय पर भावनात्मक या राजनीतिक प्रतिक्रिया के बजाय कानूनी, कूटनीतिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होगा। विशेष रूप से प्रत्यर्पण का प्रश्न केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून और राजनीतिक परिस्थितियों से भी जुड़ा हुआ है। भारत को अपनी संधियों, न्यायिक प्रक्रियाओं और रणनीतिक हितों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना होगा। दूसरी ओर बांग्लादेश में चीन का बढ़ता प्रभाव भी नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय है। वर्तमान सरकार के शुरुआती महीनों में चीन के साथ बढ़ते संपर्क और सामरिक महत्व की परियोजनाओं पर समझौते इस बात का संकेत हैं कि ढाका अपनी विदेश नीति में संतुलन साधने का प्रयास कर रहा है। भारत के लिए आवश्यक है कि वह प्रतिस्पर्धा की मानसिकता के बजाय विश्वास और विकास की साझेदारी को प्राथमिकता दे। यदि भारत आर्थिक सहयोग, निवेश, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी साझेदारी के नए अवसर विकसित करता है, तो दोनों देशों के संबंध और अधिक मजबूत हो सकते हैं। शेख हसीना की वापसी का प्रश्न अंततः बांग्लादेश के लोकतांत्रिक चरित्र की परीक्षा है। यदि उन्हें निष्पक्ष राजनीतिक अवसर मिलता है, तो जनता स्वयं तय करेगी कि भविष्य का नेतृत्व किसे सौंपना है। लेकिन यदि राजनीतिक प्रतिशोध, दमन और हिंसा का वातावरण बना रहता है, तो इससे न केवल बांग्लादेश की लोकतांत्रिक साख प्रभावित होगी, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

आत्मनिर्भर चिकित्सा तकनीक- सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं और विकसित भारत की मजबूत नींव

जगत प्रकाश नड्डा

भारत ने पिछले एक दशक में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार किया है। सरकारी और निजी क्षेत्र में अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, जांच केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। शहरों के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ है। यह सरकार की ऐसी नीतियों को दर्शाता है, जिनका केंद्र आम नागरिक की स्वास्थ्य सुरक्षा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को हर नागरिक तक पहुंचाने के लिए काम किया है। इन लगातार किए गए प्रयासों का परिणाम है कि देश में लोगों द्वारा अपनी जेब से स्वास्थ्य सेवाओं पर किए जाने वाले खर्च में पिछले कुछ वर्षों में बड़ी कमी आई है। यह खर्च पहले 65 प्रतिशत तक था, जो अब घटकर 43 प्रतिशत रह गया है। जिला अस्पताल में जन्म लेने वाले नवजात शिशु से लेकर बड़े अस्पताल में इलाज करा रहे कैंसर मरीज तक, आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में भरोसेमंद, अच्छी गुणवत्ता वाले और किफायती चिकित्सा उपकरण बेहद जरूरी हो गए हैं। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत सरकार ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत कर रही है। इसके लिए प्रयोगशालाओं को बेहतर बनाने, गंभीर मरीजों के इलाज की सुविधाएं बढ़ाने, बीमारियों की निगरानी व्यवस्था मजबूत करने और आपात स्थिति से निपटने की क्षमता बढ़ाने पर निवेश किया जा रहा है। जैसे–जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, अब जोर एक आत्मनिर्भर चिकित्सा तकनीक क्षेत्र तैयार करने पर है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को और सस्ता, आसानी से उपलब्ध और किसी भी संकट के समय मजबूत बनाना है। पहले ,भारत कई आधुनिक और जटिल चिकित्सा उपकरणों के लिए काफी हद तक दूसरे देशों से होने वाले आयात पर निर्भर था। इन तकनीकों से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार तो हुआ, लेकिन इससे इलाज की लागत बढ़ी, आपूर्ति व्यवस्था पर बाहरी निर्भरता बनी रही और इन उपकरणों की पहुंच सीमित रही। इसी जरूरत को देखते हुए राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति, 2023 में देश के भीतर आधुनिक चिकित्सा उपकरण बनाने की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसका उद्देश्य चिकित्सा उपकरणों को सस्ता बनाना और जांच की लागत कम करना है। सरकार ने चिकित्सा उपकरणों के पूरे क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना, चिकित्सा उपकरण पार्क और दवा एवं चिकित्सा तकनीक के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने वाली योजना शामिल हैं। इन पहलों से देश में चिकित्सा उपकरणों के निर्माण, नए शोध, निवेश और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतर माहौल तैयार हो रहा है। नतीजे उत्साह बढ़ाने वाले हैं। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत 50 से अधिक आधुनिक चिकित्सा उपकरणों का देश में उत्पादन शुरू हो चुका है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है, जो वैश्विक निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। ये उपलब्धियां बताती हैं कि भारत धीरे–धीरे दुनिया के चिकित्सा तकनीक क्षेत्र में एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में उभर रहा है। सिर्फ चिकित्सा उपकरणों का निर्माण केंद्र बनने के अलावा, भारत तेजी से आधुनिक चिकित्सा तकनीकों को अपना भी रहा है, ताकि लोगों का जीवन बेहतर बनाया जा सके। आधुनिक जांच सुविधाओं, शरीर की अंदरूनी तस्वीर लेने वाली मशीनों, शरीर में लगाए जाने वाले चिकित्सा उपकरणों, गहन चिकित्सा की मशीनों और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को किफायती दर पर उपलब्ध कराने से मरीजों पर इलाज का आर्थिक बोझ कम होता है। साथ ही इलाज की गुणवत्ता और समय पर इलाज मिलने में भी सुधार होता है। देश में ही चिकित्सा उपकरण बनने से विदेशों से आयात पर निर्भरता घटती है, आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होती है और लागत कम करने के अवसर बढ़ते हैं। भारत का विश्व स्तर पर पहचान बना चुका दवा उद्योग, मजबूत इंजीनियरिंग क्षमता, तेजी से फैलता डिजिटल ढांचा, तेजी से बढ़ता नए उद्यमों का क्षेत्र और कुशल मानव संसाधन अगली पीढ़ी की चिकित्सा तकनीक विकसित करने के लिए मजबूत आधार प्रदान करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, चिकित्सा उपकरण के रूप में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर (एसएमडी) , इंटरनेट से जुड़े चिकित्सा उपकरण, रोबोट आधारित तकनीक और दूर से जांच जैसी नई तकनीकों में भारत के पास देश और दुनिया की स्वास्थ्य जरूरतों के लिए नए समाधान विकसित करने के बड़े अवसर हैं। जैसे–जैसे भारतीय कंपनियां दुनिया के बाजार में विस्तार कर रही हैं, गुणवत्ता भी भारत में बने चिकित्सा उपकरणों की सबसे बड़ी पहचान बनती जा रही है। सरकार नियामक व्यवस्था को मजबूत करने, मान्यता प्राप्त जांच सुविधाओं का विस्तार करने, चिकित्सा उपकरणों की प्रभावशीलता से जुड़े वैज्ञानिक प्रमाण तैयार करने और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप व्यवस्था विकसित करने पर जोर दे रही है। इससे मरीजों की सुरक्षा बढ़ेगी और वैश्विक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता भी मजबूत होगी। दुनिया के स्तर पर प्रतिस्पर्धी चिकित्सा तकनीक क्षेत्र तैयार करने के लिए सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थानों, स्वास्थ्य सेवा देने वालों, नए उद्यमों और निवेशकों के बीच करीबी सहयोग जरूरी है। जब प्रयोगशालाओं में तैयार विचार आसानी से कारखानों तक और वहां से मरीजों तक पहुंचते हैं, तभी नए आविष्कारों को वास्तविक लाभ में बदला जा सकता है। सरकार ऐसी स्थिर और पारदर्शी नीतियां बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिनसे शोध, निवेश, तकनीकी साझेदारी और कारोबार करना आसान हो। भारत जैसे–जैसे विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, स्वास्थ्य और आर्थिक विकास एक–दूसरे को और मजबूत करेंगे। एक मजबूत चिकित्सा उपकरण उद्योग उच्च मूल्य वाले उत्पादन, कुशल रोजगार, निर्यात और तकनीकी क्षमता को बढ़ावा देगा। साथ ही इससे स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सस्ती, आसानी से उपलब्ध और किसी भी संकट के समय अधिक मजबूत बनेंगी। भारत का चिकित्सा तकनीक क्षेत्र एशिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार है और दुनिया के शीर्ष 20 बाजारों में शामिल है। फिलहाल इसका आकार 15 से 16 अरब डॉलर है और यह करीब 12 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ रहा है। इस वजह से यह देश के सबसे तेजी से बढ़ते विनिर्माण क्षेत्रों में से एक बन गया है। विकसित भारत का लक्ष्य गुणवत्ता, नए आविष्कार और सभी को साथ लेकर चलने के आधार पर दुनिया में नेतृत्व करने पर जोर देता है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि नई चिकित्सा तकनीकें भारत की प्रमुख स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करें। इनमें माताओं और बच्चों का स्वास्थ्य, गैर–संचारी रोग, आपातकालीन चिकित्सा, कैंसर, हृदय रोग और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत लगातार एक आत्मनिर्भर चिकित्सा तकनीक व्यवस्था तैयार कर रहा है। इसका उद्देश्य केवल भारत में चिकित्सा उपकरण बनाना नहीं है, बल्कि हर नागरिक के लिए समय पर अच्छी और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, देश की स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करना और बेहतर स्वास्थ्य के लिए भारत को दुनिया के एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में स्थापित करना है।

बीएससी पाठ्यक्रम में रिक्ति सीटों पर सीधे प्रवेश का अवसर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए बीएससी पाठ्यक्रम के में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के सीधे प्रवेश ले सकते है। यह प्रवेश पहले आओ पहले पाओगे आधार पर होगा। इंटरमीडिएट जीव विज्ञान या गणित से परीक्षा उत्तीर्ण ऐसे विद्यार्थी, जो बीएससी में प्रवेश लेना चाहते हैं, विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पात्रता एवं प्रवेश संबंधी नियमों के अनुसार आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश सीटों की उपलब्धता एवं निर्धारित मानकों के आधार पर किया जाएगा।इस संबंध में मंगलवार को जानकारी देते हुए प्रो राजेंद्र सिंह रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो मिथिलेश सिंह ने बताया कि प्रवेश से संबंधित पात्रता, विषय संयोजन, शुल्क, आवश्यक दस्तावेज तथा अंतिम तिथि की जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक सूचना एवं संबंधित विभाग से प्राप्त करने के बाद विद्यार्थी प्रवेश प्रक्रिया कर सकते है। इच्छुक विद्यार्थी समय सीमा के भीतर आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) क संस्थान के संबंधित विभागध्प्रवेश कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

शिवगुलामगंज मार्केट में दोहरे के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । शिवगुलामगंज में मिलावटी और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक खाद्य पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने शिवगुलामगंज मार्केट में दोहरे के खिलाफ कार्रवाई की। टीम ने मौके से करीब 40 किलोग्राम दोहरा और 30 किलोग्राम सुपारी बरामद की। दोहरे के तीन नमूने जांच के लिए लिए गए हैं। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार जायसवाल के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने विकास अग्रहरि पुत्र विनय अग्रहरि के निवास स्थान पर कार्रवाई की। जांच के दौरान बरामद दोहरा और सुपारी को नियमानुसार मौके पर ही नष्ट करा दिया गया। कार्रवाई के दौरान मौजूद विकास अग्रहरि को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मयंक शंकर दुबे, विनोद कुमार यादव और अपराजिता तिवारी शामिल रहे। अधिकारियों ने बताया कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। मिलावटी, प्रतिबंधित अथवा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक खाद्य पदार्थों का कारोबार करने वालों के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई जारी रहेगी। अभियान के दौरान मानवाधिकार आयोग, लखनऊ से रुपेश चौध ारी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने भी उपभोक्ता हितों की सुरक्षा और जनजागरूकता के उद्देश्य से अधिकारियों के साथ निरीक्षण में सहयोग किया। खाद्य सुरक्षा विभाग ने कहा कि क्षेत्र में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच और निगरानी का अभियान आगे भी जारी रहेगा। अधिकारियों ने लोगों से भी खाद्य पदार्थों की खरीदारी करते समय उनकी गुणवत्ता और मानकों का ध्यान रखने की अपील की।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित जलालपुर थाना अंतर्गत इजरी गांव के समीप मंगलवार को ट्रेन की चपेट में आकर एक 22 वर्षीय युवक की मौत हो गयी।युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। ऊक्त क्षेत्र के रासीपुर गांव निवासी अनुज कुमार यादव (22)पुत्र स्वर्गीय शंकर यादव

नौकरी की तैयारी कर रहा था।वह किसी काम से सुबह जलालपुर बाजार जा रहा था।रास्ते मे बाकराबाद व इजरी के बीच मे शौच करने चला गया।वह उसी दौरान वह किसी ट्रेन की चपेट में आ गया।उसकी मौके पर मौत हो गयी।घटना की सूचना पर परिजन तथा थानाप्रभारी सत्येंद्र विक्रम सिंह मय फोर्स मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक का बड़ा भाई अभिमय यादव बाराबंकी में यूपी पुलिस के जवान के रूप में तैनात है।घर मे माँ इंद्रावती का घटना के बाद हाल बेहाल है।वह बेसुध पड़ी है।पूरे गांव में गमगीन माहौल है। इस संबंध में जानकारी लेने पर थानाध्यक्ष सतेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है कोई तहरीर नहीं मिली है। अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है।

19 अगस्त को गोंडा के राजपुर सूकरखेत में मनाई जाएगी तुलसी जयंती

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विश्व के महानतम ग्रंथ रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज की जयंती श्रावण शुक्ला सप्तमी को मनायी जाती है। इस वर्ष यह तिथि 19 अगस्त 2026 को पड़ रही है। इस अवसर पर सनातन धर्म परिषद एवं श्री तुलसी जन्मभूमि न्यास द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहें हैं। इसमें स्थान स्थान पर रामचरितमानस का पाठ आयोजित होगा और गोस्वामी तुलसीदास जी के बारे में गोष्ठियां आयोजित की जायेगीं। आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि तुलसी के सम्मान में गोस्वामी तुलसीदास

अंतर्राष्ट्रीय केन्द्रीय विश्वविद्यालय खोलने का सुझाव विदेश राज्यमंत्री मा० श्री कीर्तिवर्धन सिंह जी के माध्यम से दिया है, वे इसके लिये प्रयास कर रहें हैं। आपको ज्ञात होगा कि अयोध या में राम की पैड़ी, हरिद्वार में हरि की पैड़ी की तरह मा० मुख्यमंत्री योगी श्री आदित्यनाथ जी को आग्रह किया है कि इसी तर्ज पर तुलसीदास की जन्मभूमि राजापुर सूकरखेत, गोण्डा में तुलसी की पैड़ी का निर्माण कराया जाना चाहिए। इस स्थान पर लाखों श्रद्धालु निरंतर आते रहते हैं। यह एक तुलसीधाम के रूप में विकसित हो रहा है। हमारी यह भी योजना है कि तुलसी जन्मभूमि पर अनवरत निरंतर श्रीरामचरितमानस का पाठ करने की व्यवस्था की जा रही है। यह अनुष्ठान इसी तुलसी जयंती से प्रारम्भ हो जायेगा। इस अवसर पर तुलसी साहित्य और रामकथा के मर्मज्ञ विद्वानों द्वारा तुलसी के व्यक्तित्व एवं सनातन धर्म को उनके योगदान के बारें में गोष्ठियां आयोजित की जायेगी। इसके लिये देश भर से विद्वान पधार रहे हैं। इस अवसर पर हर वर्ष की तरह भण्डारा भी सम्पन्न होगा। इसके साथ ही विद्वानों का सम्मान भी किया जायेगा, और उन्हें सम्मान पत्र अर्पित किया जायेगा। विदित हो कि रामचरितमानस की अब तक 8 करोड़ से अधिक प्रतियां गीता प्रेस द्वारा प्रकाशित की जा चुकी हैं। तुलसी ने राम को जन–जन तक समग्र विश्व में पहुंचाया है। उक्त जानकारी डॉ. स्वामी भगवदाचार्य अध्यक्ष सनातन धर्म परिषद ने दी।

कस्तूरबा विद्यालयों की छात्राओं ने खेल प्रतिभा में दिखाया दम, मंडल स्तर के लिए हुआ चयन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की छात्राओं के विभिन्न खेलों में जनपदीय चयन ट्रायल का आयोजन इंदिरा गांधी स्टेडियम में किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर के निर्देशन एवं जिला समन्वयक बालिका शिक्षा शोभा तिवारी की देखरेख में आयोजित प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चयनित छात्राएं अब मंडल स्तर पर जनपद जौनपुर का प्रतिनिधित्व करेंगी। चयन ट्रायल में कबड्डी, खो–खो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, शतरंज, योगा एवं एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। एथलेटिक्स के जूनियर वर्ग की 100 मीटर दौड़ में निधि जायसवाल (सुजानगंज) ने प्रथम, शिवांसी बिंद (शाहगंज) ने द्वितीय तथा दिव्यां कुमारी (करंजाकला) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ में उजाला चौहान (जलालपुर) प्रथम, तृप्ति पटेल (बरसठी) द्वितीय तथा प्रिया निषाद (धर्मापुर) तृतीय रहीं। 400 मीटर दौड़ में आभा एवं आकृति (महराजगंज) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बाजी मारी। जूनियर वर्ग की गोला फेंक प्रतियोगिता में उजाला (मुक्तिगंज) प्रथम, रुचि (बदलापुर) द्वितीय तथा शालू (जलालपुर) तृतीय रहीं। वहीं सीनियर वर्ग की गोला फेंक प्रतियोगिता में आंचल गुप्ता (सुंईथाकला) ने प्रथम तथा अंशुमा (करंजाकला) ने द्वितीय स्थान हासिल किया। बैडमिंटन में आउसी पासवान (खुटहन), मानवी (शाहगंज) एवं पायल मिश्रा (सुंईथाकला) का मंडल स्तर के लिए चयन किया गया। शतरंज प्रतियोगिता में दिव्यांशी (मड़ियाहूं) ने प्रथम तथा आंशी (शाहगंज) ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला क्रीड़ा अधिकारी अशोक सोनकर ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। चयन ट्रायल में निर्णायक की भूमिका रवि चंद्र यादव, राकेश कुमार यादव, प्रियंका सिंह, अंकिता यादव, अरुणेश, मनीष सिंह, मनोज यादव, अमित सोनकर एवं सुरेश यादव ने निभाई। इस अवसर पर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की वार्डन, व्यायाम शिक्षक एवं लेखाकार सहित अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

शैल्बी हॉस्पिटल्स ने गुजरात की पहली टेली रोबोटिक बैरियाट्रिक सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रोबोटिक सर्जरी के क्षेत्र में एक अहम उपलब्धि हासिल करते हुए, शैल्बी मल्टी–स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स ने गुजरात की पहली टेली–रोबोटिक बैरिएट्रिक (मेटाबोलिक) सर्जरी सफलतापूर्वक की है। इस सर्जरी में, ऑपरेशन करने वाले सर्जन ने गुरुग्राम से दूर बैठकर रोबोटिक सिस्टम को कंट्रोल किया, जबकि मरीज की सर्जरी अहमदाबाद में हो रही थी। टेली–रोबोटिक बैरिएट्रिक सर्जरी का नेतृत्व शैल्बी हॉस्पिटल्स के कंसल्टेंट लैप्रोस्कोपिक, रोबोटिक, बैरिएट्रिक और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जन डॉ. पराग पटेल ने किया, जिन्होंने गुरुग्राम के एसएस इनोवेशन सेंटर से दूर से ही ऑपरेशन किया। उन्होंने शैल्बी हॉस्पिटल, एसजी हाईवे, अहमदाबाद में बेडसाइड क्लिनिकल टीम के साथ मिलकर काम किया, जिसकी अगुवाई कंसल्टेंट रोबोटिक और लैप्रोस्कोपिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, बैरिएट्रिक और मेटाबोलिक सर्जन डॉ. सौरभ दामानी कर रहे थे। टीम में डॉ. मोहसिना सैय्यद, हार्दिक मैकवान, हार्दिक आचार्य के साथ–साथ पूरी एनेस्थीसिया, नर्सिंग, ऑपरेटिंग थिएटर और टेक्निकल टीमें भी शामिल थीं, जिनके बेहतरीन तालमेल से यह प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हुई। शैल्बी हॉस्पिटल्स, अहमदाबाद के क्लस्टर सीओओ, श्री परिमल पटेल ने कहारू यह उपलब्धि शैल्बी हॉस्पिटल्स की अपने मरीजों तक नई मेडिकल इनोवेशन पहुँचाने की लगातार कोशिशों को दिखाती है। गुजरात की पहली टेली–रोबोटिक बैरिएट्रिक सर्जरी यह दिखाती है कि कैसे एडवांस्ड टेक्नोलॉजी भौगोलिक बाध ााओं को दूर कर सकती है और मरीजों तक एक्सपर्ट सर्जिकल केयर पहुँचा सकती है। हमें विश्वास है कि टेली–रोबोटिक्स विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं की पहुंच को और बेहतर बनाएगी और हमारे नेटवर्क के अधिक से अधिक मरीजों को विश्वस्तरीय रोबोटिक सर्जरी का लाभ मिल सकेगा। भारत में विकसित, सबसे नया रोबोटिक सर्जिकल प्लेटफॉर्म श्एसएसआई मंत्रा 3श, टेली–रोबोटिक्स के जरिए भौगोलिक दूरियों की बाधाओं को खत्म करता है। इससे एक्सपर्ट सर्जन दूर से ही जटिल सर्जरी कर सकते हैं और मरीजों को यात्रा करने की जरूरत नहीं पड़ती। उम्मीद है कि इस उपलब्धि से भारत में शैल्बी के हॉस्पिटल नेटवर्क में एडवांस्ड रोबोटिक सर्जरी की सुविधा ज्यादा लोगों तक पहुँच सकेगी। शरीर के अतिरिक्त वजन ने मरीज की रोजमर्रा की गतिविधियों, जैसे सीढ़ियाँ चढ़ने की क्षमता को प्रभावित किया था। इन प्रक्रियाओं से काफी और लंबे समय तक वजन कम होने, मोटापे से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं और मेटाबोलिक स्वास्थ्य में सुधार होने, और ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया और ग्रेड प्प फैटी लिवर जैसी जुड़ी हुई जटिलताओं को ठीक करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

रोबोटिक–असिस्टेड बैरिएट्रिक सर्जरी, पारंपरिक मिनिमली इनवेसिव सर्जरी की तुलना में कई बड़े फायदे देती है। यह सर्जनों को हाई–डेफिनिशन 3डी विजन, बेहतर सटीकता और ज्यादा कुशलता के साथ काम करने की सुविधा देती है। इससे सर्जरी ज्यादा सुरक्षित और सटीक होती है, खासकर गंभीर रूप से मोटापे से ग्रस्त मरीजों के मामले में। इसके परिणामस्वरूप टिश्यू को कम नुकसान पहुँचता है, सर्जरी के बाद दर्द कम होता है, मरीज तेजी से ठीक होते हैं और इलाज के नतीजे बेहतर होते हैं।

आचार्य शांतनु जी महाराज के मुखारविंद से पुनः गूंजेगी श्रीराम कथा

जौनपुर। जमदग्नि ऋषि की पावन धरती एक बार फिर श्रीराम कथा की अमृतवाणी से गुंजायमान होने जा रही है। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथा व्यास पूज्य आचार्य शांतनु जी महाराज के मुखारविंद से 21 से 29 अक्टूबर तक बीआरपी इंटर कॉलेज खेल मैदान में भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा से एक दिन पूर्व 20 अक्टूबर को विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी। आयोजन को लेकर सोमवार को कैलाशपति, गोधना स्थित आवास पर पूज्य आचार्य शांतनु जी महाराज के आगमन पर वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह ने सपरिवार उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। श्रावण मास के द्वितीय सोमवार के अवसर पर आचार्य शांतनु जी महाराज ने आगामी कलश यात्रा और श्रीराम कथा के सफल, मंगलमय एवं जनकल्याणकारी आयोजन के लिए संकल्प–पूजन कराया। वर्ष 2023 में सेवा भारती के नेतृत्व में ज्ञान प्रकाश सिंह की ओर से इसी मैदान पर आचार्य शांतनु जी महाराज की श्रीराम कथा का आयोजन किया गया था। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए थे। इसके बाद वर्ष 2024 में इसी परिसर में अंतरराष्ट्रीय कथा व्यास प्रेमभूषण जी महाराज की श्रीराम कथा आयोजित हुई थी। अब एक बार फिर इसी मैदान पर आचार्य शांतनु जी महाराज की कथा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि श्रीराम कथा जनमानस को भक्ति से जोड़ने के साथ संस्कार, मर्यादा, सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि 20 अक्टूबर को भव्य कलश यात्रा और 21 से 29 अक्टूबर तक श्रीराम कथा का आयोजन होगा। आयोजन को भव्य एवं सुव्यवस्थित बनाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु कथा का श्रवण कर सकें। इस अवसर पर काशी प्रांत के प्रांत कार्यवाह मुरली पाल, सेवा भारती जौनपुर के विभाग अध्यक्ष डॉ. तेज सिंह समेत अन्य गणमान्यजन मौजूद रहे। श्रावण मास के द्वितीय सोमवार के अवसर पर आचार्य शांतनु जी महाराज ने आगामी कलश यात्रा और श्रीराम कथा के सफल, मंगलमय एवं जनकल्याणकारी आयोजन हेतु संकल्प–पूजन संपन्न कराया। बताया गया कि वर्ष 2023 में सेवा भारती के नेतृत्व में ज्ञान प्रकाश सिंह की ओर से इसी मैदान पर आचार्य शांतनु जी महाराज की श्रीराम कथा का आयोजन किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए थे। इसके पश्चात वर्ष 2024 में इसी परिसर में अंतरराष्ट्रीय कथा व्यास प्रेमभूषण जी महाराज की श्रीराम कथा आयोजित हुई थी। अब एक बार फिर इसी मैदान पर आचार्य शांतनु जी महाराज की कथा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि श्रीराम कथा जनमानस को भक्ति से जोड़ने के साथ–साथ संस्कार, मर्यादा, सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि 20 अक्टूबर को भव्य कलश यात्रा तथा 21 से 29 अक्टूबर तक श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को भव्य एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु कथा का श्रवण कर सकें। इस अवसर पर काशी प्रांत के प्रांत कार्यवाह मुरली पाल, सेवा भारती जौनपुर के विभाग अध्यक्ष डॉ. तेज सिंह समेत अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

पुलिस खेल प्रतियोगिताओं में चमकीं कनक और स्मिता कनक ने 12 और स्मिता ने चार पदक जीतकर बढ़ाया जौनपुर पुलिस का मान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में पुलिस विभाग की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतने वाली महिला मुख्य आरक्षी कनक शर्मा और महिला मुख्य आरक्षी स्मिता को सोमवार को पुलिस कार्यालय में अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने सम्मानित किया। दोनों महिला पुलिसकर्मियों को मेडल पहनाकर बधाई दी गई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। थाना जलालपुर में तैनात महिला मुख्य आरक्षी कनक शर्मा ने विभिन्न पुलिस खेल प्रतियोगिताओं में कुल 12 पदक हासिल किए हैं। वाराणसी जोन में 10 से 12 जुलाई तक हुई 43वीं अंतर्जोनल पुलिस बैडमिंटनध्टेबल टेनिस प्रतियोगिता में उन्होंने तीन स्वर्ण और दो रजत समेत पांच पदक जीते। वहीं 23 से 26 जुलाई तक मुरादाबाद में हुई उत्तर प्रदेश पुलिस वार्षिक खेल प्रतियोगिता–2026 में चार कांस्य और तीन रजत समेत सात पदक हासिल किए। इसी तरह महिला मुख्य आरक्षी स्मिता ने सोनभद्र में आयोजित 43वीं उत्तर प्रदेश पुलिस अंतर जनपदीय बैडमिंटनध्टेबल टेनिस प्रतियोगिता–2026 में दो स्वर्ण और दो रजत समेत कुल चार पदक जीते। इस तरह कनक शर्मा ने तीन स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य सहित कुल 12 पदक तथा स्मिता ने दो स्वर्ण और दो रजत सहित चार पदक अर्जित किए। अपर पुलिस अध ीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने दोनों की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य पुलिसकर्मियों के लिए भी प्रेरणादायी है। पुलिस परिवार ने दोनों महिला पुलिसकर्मियों की उपलब्धि पर गर्व जताया।

जौनपुर में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बना रहीं चार लाख तिरंगे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर जिले में तैयारियां तेज हो गई हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं अभियान के लिए चार लाख राष्ट्रीय ध्वज तैयार करने में जुटी हैं। इन्हें 13 अगस्त तक तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक करीब तीन लाख तिरंगे तैयार कर वितरित भी किए जा चुके हैं। जिले के प्रत्येक ब्लॉक में पांच–पांच स्वयं सहायता समूह की महिलाएं तिरंगा बनाने के कार्य में जुटी हैं। एनआरएलएम के तहत गठित 105 महिला स्वयं सहायता समूहों की करीब 300 महिलाएं इस काम को पूरा करने में लगी हैं। महिलाएं तिरंगे तैयार कर न केवल अभियान को गति दे रही हैं, बल्कि इसके माध्यम से रोजगार से भी जुड़ रही हैं। मंगलवार को अभियान की जानकारी देते हुए उपायुक्त स्वरोजगार जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को तिरंगा बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि जिले में ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत वर्तमान में 19 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं। अभियान के तहत तैयार किए जा रहे सभी तिरंगे 15 अगस्त से पहले सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों और आमजन तक पहुंचाने की योजना है। संबंधित विभाग स्वयं सहायता समूहों से झंडे खरीदकर गांवों में घर–घर तक पहुंचाएंगे, ताकि स्वतंत्रता दिवस पर अधिक से अधिक घरों पर तिरंगा फहराया जा सके। एनआरएलएम से जुड़ी महिलाएं तीन अलग–अलग आकार के तिरंगे तैयार कर रही हैं। इनकी कीमत 20 रुपये तक निध ारित की गई है। झंडे बनाने में कॉटन और पॉलिस्टर के कपड़े का इस्तेमाल किया जा रहा है। अभियान से जुड़ी महिलाओं में भी तिरंगा तैयार करने को लेकर खासा उत्साह है। सरकार की महिलाओं को लेकर रोजगार योजना के तहत प्रत्येक महिला समूह को 40 हजार रुपए तक मिलेगा। जिससे उनके अंदर उत्साह की भावना जागृत होगी।

शारदीय नवरात्र की तैयारियों को लेकर श्री दुर्गा पूजा महासमिति की साधारण सभा में विस्तृत मंथन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। श्री दुर्गा पूजा महासमिति की साधारण सभा की बैठक महासमिति के केंद्रीय कार्यालय नवदुर्गा शिव मंदिर, नखास में अध्यक्ष मनीष देव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी शारदीय नवरात्र के अवसर पर महासमिति द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पुरस्कार वितरण सहित अन्य आयोजनों की रूपरेखा पर भी विचार–विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध यक्ष मनीष देव ने शारदीय नवरात्र के कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि नवरात्र के दौरान सभी कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित, गरिमामय एवं भव्य रूप से संपन्न कराने के लिए समयबद्ध तैयारी आवश्यक है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से आयोजन को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहयोग की अपील की। बैठक में प्रमुख रूप से शारदीय नवरात्र से पहले नगर एवं ग्रामीण अंचलों की सड़कों की खराब स्थिति पर चर्चा की गई। महासमिति ने जिला प्रशासन से मांग की कि नवरात्र शुरू होने से पहले नगर और ग्रामीण क्षेत्रों की प्रमुख सड़कों को जल्द से जल्द गड्ढामुक्त कराया जाए, ताकि विभिन्न पूजा समितियों को मां दुर्गा की प्रतिमाओं को पंडालों तक ले जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके साथ ही बिजली और साफ–सफाई की व्यवस्था को लेकर भी जिला प्रशासन से आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई। महासमिति के सदस्यों ने कहा कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी नवरात्र से पहले बिजली व्यवस्था, सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय से दुरुस्त करा दिया जाए, जिससे पूजा समितियां शारदीय नवरात्र के कार्यक्रमों को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न करा सकें। महासचिव मनीष गुप्ता ने उपस्थित सदस्यों से आगामी कार्यक्रमों को लेकर सुझाव आमंत्रित किए। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सामूहिक सहयोग और सुझावों से शारदीय नवरात्र के कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी एवं सफल बनाया जा सकेगा। उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं पर भी विस्तृत चर्चा की। महासमिति ने निर्णय लिया कि जल्द ही महासमिति के पदाधिकारी, संरक्षक मंडल एवं अध्यक्ष मनीष देव के नेतृत्व में जिलाधिकारी, पुलिस अध ीक्षक, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग से मुलाकात करेंगे। इस दौरान नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों, बिजली, साफ–सफाई सहित अन्य जनसमस्याओं से संबंधित मांगों का पत्रक अधिकारियों को सौंपा जाएगा। बैठक के दौरान महासमिति के संरक्षकों, प्रबंध कार्यकारिणी सदस्यों एवं अति विशिष्ट सदस्यों ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए। सदस्यों ने नवरात्र के दौरान होने वाले आयोजनों, पुरस्कार वितरण एवं अन्य कार्यक्रमों को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा सभी ने मिलकर आयोजन को सफल बनाने पर बल दिया। बैठक में संरक्षक विंध्याचल सिंह, निखिलेश सिंह, राधे कृष्ण ओझा, मुन्ना, तथा विशिष्ट सदस्य शशांक सिंह रानू, मोतीलाल यादव, अनिल अस्थाना, लालचंद निषाद, अनिल साहू, विनोद यादव, अरविंद बैंकर, अतुल सिंह मुन्ना, विवेक सिंह, सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त बैठक में रामप्रकाश यादव, गौरव श्रीवास्तव, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव,महेश जायसवाल, रत्नेश सिंह, अमित गुप्ता, संदीप जायसवाल, राजन अग्रहरि, शैलेंद्र मिश्रा, विजय गुप्ता, संजय मोदनवाल, संजय विश्वकर्मा, चंदन यादव, विष्णु, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव, मो. शाहिद, लालता सोनकर, श्रीपाल यादव, ज्ञानेन्द्र दूबे, अभिषेक अग्रहरी, प्रिन्स तनेजा, विवेक जायसवाल, सहित महासमिति के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।। उक्त जानकारी महासमिति के मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव ने दी।

‘मिशन शक्ति फेज 5.0 द्वितीय चरण के अंतर्गत महिलाओं को किया गया जागरूक’

‘रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’

‘पाली–(हरदोई)’ पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण और संबंधित क्षेत्राधिकारी के मार्ग दर्शन में महिला पुलिस टीम ने पाली क्षेत्र में बीट भ्रमण के दौरान महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा तथा सशक्तिकरण के लिए मिशन शक्ति 5.0 अभियान का दूसरा चरण चलाया गया। थाना क्षेत्र के ग्राम रतनापुर में बहू बेटी सम्मेलन में चौपाल लगाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान,स्वावलंबन और उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान हेतु चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को जैसे मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना,रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष योजना,सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, आदि के संबंध में विधिवत जानकारी प्रदान की गई,साथ ही कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बालिकाओं को महिला हिंसा से संबंधित शिकायतों के निवारण हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1090,1076, 1098, 112,102,181,1930 की हेल्पलाइन नंबरों तथा साइबर सुरक्षा की जानकारी प्रदान की गई। उन्हें आवश्यक ता पड़ने पर तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया।इस कार्यक्रम में महिला पुलिस टीम में महिला आरक्षी संगीता चौहान, महिला कांस्टेबल पूजा,आदि मौजूद रहीं।

चुनौतियों से न घबराएं, साहस अनुशासन के साथ करें सामना -लेफ्टिनेंट कर्नल पुष्पेंद्र सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान द्वारा आर्यभट्ट सभागार में छात्र–छात्राओं के लिए "चुनौतियों से कैसे लड़ा जाए" विषय पर प्रेरणादायी मोटिवेशनल टॉक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कीर्ति चक्र से सम्मानित लेफ्टिनेंट कर्नल पुष्पेंद्र सिंह रहे। इस अवसर पर मुख्य वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल पुष्पेंद्र सिंह, कीर्ति चक्र ने कहा कि जीवन में चुनौतियां प्रत्येक व्यक्ति के सामने आती हैं, लेकिन सफलता उन्हीं को मिलती है जो कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, अनुशासन और आत्मविश्वास बनाए रखते हैं। उन्होंने अपने सैन्य जीवन के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे कठिनाइयों से घबराएं नहीं और अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहें। उन्होंने कहा, "वीर तुम बढ़े चलो, कठिनाइयों से मत डरो। लक्ष्य कितना भी कठिन क्यों न हो, दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से उसे प्राप्त किया जा सकता है।" उन्होंने विद्यार्थियों को नेतृत्व की भावना विकसित करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि नेतृत्व केवल आदेश देने का नाम नहीं है, बल्कि कठिन समय में स्वयं आगे बढ़कर उदाहरण प्रस्तुत करने का नाम है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहते हुए राष्ट्र और समाज के प्रति अपने दायित्वों का भी निर्वहन करना चाहिए। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल पुष्पेंद्र सिंह, कीर्ति चक्र का जीवन युवा पीढ़ी के लिए साहस, कर्तव्यनिष्ठा, राष्ट्रभक्ति और अनुशासन की प्रेरणादायी पाठशाला है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ–साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करने का साहस, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करनी चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्य वक्ता के सैन्य अनुभव और जीवन–संघर्ष विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में मार्गदर्शक सिद्ध होंगे। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना, दीप प्रज्वलन एवं विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुआ। दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के निदेशक प्रो. विनोद कुमार ने मुख्य वक्ता एवं उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से मुख्य वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल श्री पुष्पेंद्र सिंह, कीर्ति चक्र को अभिनंदन–पत्र, स्मृति–चिह्न एवं अंगवस्त्रम् भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्रो. मानस पांडेय, प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह, डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका कुमारी,श्री प्रकाश यादव, डॉ. राजित राम सोनकर, डॉ. अंकित कुमार, डॉ. दिनेश कुमार सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. राहुल कुमार राय, डॉ. इन्द्रजीत सिंह, श्री रविकेश कुमार मौर्य, डॉ. विपिन कुमार सिंह, डॉ. आश्रया दुबे, डॉ. शुभम सिंह एवं योगेश उत्तम सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

‘फीनिक्स पलासियो ने इलेक्ट्रॉनिक फेस्ट और स्वतंत्रता दिवस समारोह के साथ आजादी से प्रगतिशील डिजिटल भारत तक देश की यात्रा का जश्न मनाया’

’लखनऊ। फीनिक्स पलासियो, लखनऊ इस स्वतंत्रता दिवस पर शॉपिंग, टेक्नोलॉजी, क्रिएटिविटी और प्रगतिशील भारत की भावना को एक साथ ला रहा है। इसके तहत 7 से 16 अगस्त 2026 तक विशेष इलेक्ट्रॉनिक फेस्ट का आयोजन किया

जा रहा है। इसके साथ ही 14 से 16 अगस्त तक परिवारों और बच्चों के लिए स्वतंत्रता दिवस से जुड़े कई खास अनुभव भी आयोजित किए जाएंगे। इलेक्ट्रॉनिक फेस्ट में यूनि, क्रोमा, रिलायंस डिजिटल, सैमसंग, बोस, एचपी, एएसयूएस, डेल, लेनोवो आदि प्रमुख ब्रांड्स के इलेक्ट्रॉनिक्स, गैजेट्स, अप्लायंसेज और लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स की विस्तृत रेंज उपलब्ध होगी। इस कैंपेन के दौरान ग्राहक चुनिंदा ब्रांड्स और प्रोडक्ट्स पर 50: तक के विशेष ऑफर और डिस्काउंट का लाभ उठा सकते हैं। शॉपिंग अनुभव को और खास बनाते हुए, ₹ 1.75 लाख या उससे अधिक की ऑफर के लिए मान्य खरीदारी करने वाले ग्राहकों को सुनिश्चित गोल्ड कॉइन मिलेगा। ₹ 20,000 या उससे अधिक की पात्र खरीदारी करने वाले ग्राहकों को एक विशेष रिवॉर्ड प्रोग्राम में हिस्सा लेने का अवसर भी मिलेगा, जिसमें 2 कपल यूरोप ट्रिप और एक टोयोटा हाइराइडर शामिल हैं। ये ऑफर चुनिंदा ब्रांड्स, स्टोर्स और प्रोडक्ट्स पर लागू हैं और संबंधित नियम व शर्तों के अधीन हैं। इलेक्ट्रॉनिक फेस्ट में शामिल ब्रांड्स भी ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर लेकर आए हैं। क्रोमा में ग्राहक चुनिंदा होम अप्लायंसेज पर 20: तक के सीधे डिस्काउंट का लाभ उठा सकते हैं। रिलायंस डिजिटल में ₹ 1,000 तक का एक्सचेंज बोनस, चुनिंदा प्रोडक्ट्स पर 50: तक का डिस्काउंट, पात्र बैंक कार्ड, पेपर फाइनेंस और यूपीआई ट्रांजेक्शन पर ₹ 30,000 तक के लाभ के साथ चुनिंदा प्रोडक्ट्स पर अतिरिक्त 1 साल की वारंटी दी जा रही है। बोस में ग्राहक लाइफस्टाइल कलेक्शन पर 15: तक के डिस्काउंट के साथ चुनिंदा बैंक कार्ड पर ₹ 5,000 तक के इंस्टेंट डिस्काउंट का लाभ उठा सकते हैं। यूनिक भी एप्पल प्रोडक्ट्स पर स्वतंत्रता दिवस के विशेष ऑफर दे रहा है। इनमें पात्र बैंक कार्ड पर एप्पल आईफोन 17 पर ₹ 3,000 तक का इंस्टेंट कैशबैक शामिल है। ये ऑफर 16 अगस्त 2026 तक उपलब्ध हैं और संबंधित ब्रांड्स और स्टोर्स के नियम व शर्तों के अधीन हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह में संस्कृति और अनुभव का रंग जोड़ते हुए, फीनिक्स पलासियो ने आजादी के बाद भारत की शानदार यात्रा से प्रेरित एक भव्य स्वतंत्रता दिवस सजावट तैयार की है। "आजाद भारत से इनोवेटिव भारत" थीम पर तैयार यह सजावट आगंतुकों को दशकों के दौरान देश में हुए बदलाव की एक विजुअल झलक देगी। इसमें आजादी के बाद राष्ट्र निर्माण के शुरुआती वर्षों से लेकर एक प्रगतिशील, डिजिटल रूप से सशक्त और इनोवेशन आधारित भारत के उभरने तक की यात्रा को दिखाया जाएगा। इस सजावट का मुख्य विचार यह है कि आजादी की भावना अब कुछ नया सोचने, बनाने और बेहतर भविष्य की कल्पना करने की आजादी में बदल गई है। यह इंस्टॉलेशन आगंतुकों को भारत की शानदार यात्रा को करीब से देखने और देश के भविष्य की संभावनाओं को एक आधुनिक और आकर्षक अंदाज में महसूस करने का अवसर देगा। आर्टिसोमेनिया के सहयोग से फीनिक्स पलासियो में 14 से 16 अगस्त तक सुबह 11 बजे से रात 9 बजे के बीच स्वतंत्रता दिवस थीम पर 3 दिवसीय कला और क्रिएटिव एक्टिविटीज का आयोजन भी किया जाएगा। इसके लिए मौके पर ही रजिस्ट्रेशन किया जा सकेगा। इस कार्यक्रम में बच्चों और परिवारों की क्रिएटिविटी को बढ़ावा देने वाली कई इंटरैक्टिव एक्टिविटीज शामिल होंगी। प्रतिभागी फ्रिज मैगनेट, कैनवास पेंटिंग और पिगी बैंक को अपनी पसंद के अनुसार तैयार और कस्टमाइज कर सकेंगे।

32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

अयोध्या।32 वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस अयोध्या द्वारा जिला स्तरीय एक दिवसीय मार्गदर्शक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अयोध्या किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता बीएसए लाल चन्द्र की।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीएसए लाल चन्द्र ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।कार्यक्रम के अध्यक्ष बीएसए लाल चन्द्र ने कहा कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस देश की एक महत्वपूर्ण एवं अभिनव वैज्ञानिक गतिविधि है।जिसका यह 32वाँ संस्करण आयोजित किया जा रहा है।इस मंच के माध्यम से विद्यार्थियों में सीखने की जिज्ञासा, समूह में कार्य करने की क्षमता तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होता है।इस मौके पर डायट प्रवक्ता मनोज कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों को अपने आसपास के संसाधनों, परिवेश, पर्यावरण एवं स्थानीय समस्याओं से जोड़ते हुए विज्ञान आधारित समाधान खोजने के लिए प्रेरित करता है।इससे विश्लेषण तथा नवाचार की भावना विकसित होती है।कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी ने बताया कि इस वर्ष राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का मुख्य विषय सतत विकास के लिए विज्ञान एवं नवाचार निर्धारित किया गया है।इसके अंतर्गत अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण, वर्षा जल संचयन, जल का समुचित उपयोग एवं संरक्षण, खाद्य, कृषि एवं स्वास्थ्य तथा सतत विकास हेतु भारतीय ज्ञान प्रणाली का अनुप्रयोग जैसे महत्वपूर्ण उप–विषयों पर बाल वैज्ञानिक अपने शोध प्रकल्प प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में 10 से 14 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थी जूनियर तथा 14 से 17 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थी सीनियर श्रेणी में प्रतिभाग कर सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री लाल चन्द्र ने कहा कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की स्थापना वर्ष 1987 में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने, विद्यार्थियों वैज्ञानिक कार्यप्रणाली के प्रति गहन समझ विकसित करने के उद्देश्य से की गई थी। यह अभियान विद्यार्थियों को समाजोपयोगी अनुसंधान एवं नवाचार की दिशा में प्रेरित कर राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनने का अवसर प्रदान करता है। कार्यशाला में प्रतिभागी शिक्षकों को डायट प्रवक्ता श्री महेन्द्र कुमार वर्मा जी द्वारा राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की कार्यप्रणाली, परियोजना निर्माण, शोध विषयों के चयन तथा प्रस्तुतीकरण से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।एसआरजी मनीष रस्तोगी और एसआरजी अमित कुमार मिश्र ने शिक्षकों से विद्यार्थियों को स्थानीय समस्याओं पर आधारित शोध परियोजनाओं के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।जिससे विज्ञान शिक्षा को व्यवहारिक एवं समाजोपयोगी स्वरूप मिल सके।कार्यक्रम मे राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के ब्लॉक नोडल डॉ योगेन्द्र नाथ पाण्डेय, कृष्ण कुमार त्रिपाठी, डॉ सिकंदर सिंह,कृपा शंकर वर्मा के साथ साथ डॉ उमा शंकर त्रिपाठी, नरेन्द्र सिंह, सत्येंद्र पाठक, राम नारायण वर्मा , विभोर कुमार सहित जनपद के बेसिक एवं माध्यमिक के विज्ञान विषय के मार्गदर्शक शिक्षक उपस्थित रहे।

ओवर ब्रिज सहित हाइवे पर राहगीरों के लिये जानलेवा साबित हो रहा चाइनीज मांझा

अयोध्या।शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक पतंगबाजी के लिए इस्तेमाल होने वाला प्रतिबंधित चाइनीज मांझा लोगों की जान के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है।चाइनीस मांझा की चपेट में आकर कई राहगीर गंभीर रूप से घायल हो रहे है।ऐसा ही दर्दनाक हादसा सोमवार की देर शाम जीआईसी ओवर ब्रिज के ऊपर घटी,जब एक युवक बाइक से दर्शन नगर की ओर जा रहा था तभी वह मजे के सब कुछ चपेट में आ गया और घायल हो गया। इस तरह की दर्दनाक हाथ से सिर्फ जीआईसी ऊपर बीच पर ही ना होकर शहर के कई मार्गो और हाईवे पर भी हुई है।देखा जाये हाईवे प्रमुख ओवर ब्रिजो और सूनसान मार्गों पर दोपहिया वाहन चालकों और राहगीरों के लिए यह मांझा किसी मौत के फंदे से कम नहीं है।सड़क पर अचानक दिखाई न देने वाला यह चाईनीज मांझा वाहन सवारों के गले, चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में फंसकर उन्हें गंभीर रूप से घायल हो रहे है।परंतु इस पर पुलिस द्वारा रोक नहीं लगाई जा रही है।शहर में कुछ दुकानदारों द्वारा चोरी–छिपे चाइनीज मांझे की बिक्री किए जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं।ऐसे में सवाल यह है कि आखिर जानलेवा मांझे की बिक्री पर पूरी तरह रोक कब लगेगी?चाइनीज मांझे का सबसे अधिक खतरा हाईवे, पुलों और व्यस्त सड़कों पर दिखाई देता है।तेज रफ्तार में बाइक या स्कूटी चला रहे लोगों को हवा में फैला मांझा कई बार दिखाई नहीं देता और अचानक उनके सामने आ जाता है।एक पल की लापरवाही जिंदगी भर का दर्द दे सकती है।इस संबंध में एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि यह एक बहुत गंभीर समस्या है।बताया कि शीघ्र ही वे अपने अधीनस्थ सभी सीओ को निर्देश निर्देश देकर चाइनीस मांझा बेचने वाले सभी दुकानदारों और खरीदारों के लिए खिलाफ सगन चेकिंग अभियान चलाई जाएगी और जो भी इस प्रतिबंधित मंझे को खरीदते व बेचते हुए पाया गया तो उसके विरुद्ध कठोर पुलिस कठोर से कठोर कार्यवाही करेगी।वही सीओ सिटी श्रीयस त्रिपाठी ने बताया कि शीघ्र ही चाइनीज मांझे के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के दौरान पतंग और मांझे की दुकानों की जांच की जाएगी।यदि किसी दुकान पर प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बिक्री के लिए रखा मिला अथवा कोई व्यक्ति इसे बेचते या खरीदते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नाले से उठ रही दुर्गंध,गंदगी और जलभराव से चंद्रशेखर व वैदेही नगर वासी चहुँओर समस्याओं से परेशान

अयोध्या।नगर निगम क्षेत्र के चंद्रशेखर कॉलोनी,वैदेही नगर में गंदा नाला और करीब तीन साल से अधूरी पड़ी सड़क स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है।नाले में गंदगी, कचरा और गंदा पानी जमा है।आसपास के घरों से निकलने वाला पानी भी इसी नाले में पहुंच रहा है,जिसके चलते नाले से उठने वाली तेज दुर्गंध के कारण आसपास रहने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है

आसपास गंदा नाला का पानी रुके होने व कचरे के कारण मच्छरों व अन्य कीड़ों के पनपने की आशंका भी बनी हुई है।वही बारिश के दौरान यह समस्या और गंभीर होने की संभावना रहती है।स्थानीय लोगों ने बताया कि इसी नाले के पास मंदिर भी स्थित है।मंदिर आने–जाने वाले श्रद्धालुओं को भी गंदगी और दुर्गंध के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है।स्थानीय निवासियों के मुताबिक, नाले के ऊपर सड़क निर्माण का कार्य करीब तीन वर्ष पहले शुरू हुआ था,लेकिन आज तक पूरा नहीं हो सका।जिस समय निर्माण कार्य शुरू हुआ था।उस समय आसपास कई मकानों का निर्माण चल रहा था।अब अधिकांश मकान बनकर तैयार हो चुके हैं और लोग रहने भी लगे हैं,लेकिन सड़क और नाले की समस्या जस की तस बनी हुई है।जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठ रहे सवाल उठ रहे है।स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से समस्या बने रहने के बावजूद अभी तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो सका है।लोगों ने नगर निगम के महापौर, नगर आयुक्त, क्षेत्रीय पार्षद और संबंधित अधिकारी व कर्मी ध्यान नहीं दे रहे हैं।जिसके चलते यहां के स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

तिरंगा यात्रा मार्ग की छतों पर तैनात होंगे पुलिसकर्मी, 400 से अधिक जवान संभालेंगे सुरक्षा

गोरखपुर, (संवाददाता)। शहर में निकलने वाली तिरंगा यात्रा को लेकर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था पूरी कर ली है। यात्रा मार्ग और आसपास के इलाकों में 400 से अधिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। सुरक्षा के लिहाज से मार्ग पर पड़ने वाले मकानों, दुकानों और उनकी छतों को भी निगरानी के दायरे में रखा गया है। यहां पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे, जो संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगे। यात्रा नगर निगम से शुरू होकर गांधी प्रतिमा होते हुए महाराणा प्रताप प्रतिमा और रेलवे स्टेशन तक जाएगी। यात्रा मार्ग पर भीड़ नियंत्रण के लिए पुलिस ने अलग–अलग स्थल निर्धारित किए हैं। प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। यात्रा के आगे और पीछे भी पुलिसकर्मियों की ड्यूटी रहेगी। सुरक्षा व्यवस्था के तहत यात्रा मार्ग पर ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी। इसके अलावा मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिये भी भीड़ और गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी।

छह जिलों में अग्निवीरों की भर्ती 17 से होगी शुरू

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। प्रदेश के छह जिलों में अग्निवीर भर्तियां शुरू की जाएंगी। इसके लिए भर्ती अभियान मेरठ में 17 अगस्त से शुरू किया जाएगा। इस अभियान के तहत बरेली, लखनऊ, वाराणसी, आगरा और अयोध्या में भर्ती रैलियां होंगी।अभियान 14 अप्रैल को अयोध्या में समाप्त होगा। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में सोमवार को प्रदेश में आयोजित होने वाली अग्निवीर भर्ती रैलियों की तैयारियों के संबंध में बैठक की गई। बैठक में संबंधित विभागों एवं जिला प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई।बैठक में बताया गया कि मेरठ में 17 अगस्त से 9 सितंबर 2026, बरेली में 14 सितंबर से 30 सितंबर 2026, लखनऊ में 11 जनवरी से 28 जनवरी 2027, वाराणसी में 2 फरवरी से 27 फरवरी 2027, आगरा में 4 मार्च से 24 मार्च 2027 और अयोध्या में 29 मार्च से 14 अप्रैल 2027 तक अग्निवीर भर्ती रैलियों का आयोजन किया जाएगा।

कोतवाली नगर पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। कोतवाली नगर पुलिस ने कूट रचित करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर मनोज शर्मा ने बताया कि निरीक्षक प्रदीप कुमार यादव अपने टीम के साथ चेकिंग अभियान कर रहे थे कि इसी दौरान शुभम गुप्ता उर्फ शिव्वू पुत्र संजय गुप्ता निवासी 4।10।40 स्माइल गंज साहबगंज थाना कोतवाली नगर जनपद अयोध्या को मोहल्ला स्माइलगंज साहबगंज रामपथ मार्ग पर रोड़ के किनारे के पास से गिरफ्तार किया। बताया कि गिरफ्तार के लिए आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है।

बीकापुर पुलिस को लूट की झूठी खबर देने के मामले में चार हुए गिरफ्तार

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र पांडेय ने बताया कि केल रात को धर्मेंद्र कुमार पुत्र रामधनी निवासी विनायकपुर थाना पूरा कलंदर जनपद अयोध्या ने 112 नंबर पर झूठी सूचना दिया कि काजी सराय पुल पर तीन लोगों द्वारा मारपीट कर उसका 84000 रुपया छीन लिया है। बताया कि इस सूचना पर डायल 112 की गाड़ी और लूट जैसी घटना की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए मैं खुद और अन्य उप निरीक्षकों,आरक्षियों को लेकर मौके पर पहुंच गया। सूचना करता धर्मेंद्र शराब के नशे में था पूछने पर बताया कि संदीप चौहान जो उसके ही गांव का निवासी है दो अन्य साथियों के साथ उसके साथ घटना किया है। यह भी बताया कि मेरे पास डीसीएम है किराया का पैसा था उसी को लेकर आ रहा था।जब मेरे द्वारा छानबीन की गई तो पाया गया कि चारों शराबी हैं। और पुल पर ही शराब पीकर शराब में पानी मिलाने की बात पर आपस में झगड़ा किया चारों ने। बताया कि जांच के दौरान पुनः हमलावर हुए चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर थाने लाकर हवालात में दाखिल किया गया।और जेल भेजा गया है।पकड़े गए धर्मेन्द्र कुमार, रंजीत कुमार व ओम नारायण निवासीगण विनायकपुर पूरा कलन्दर व संदीप चौहान कैल पारा पुरकलंदर को जेल भेजा गया है।

पुरानी रंजिश में गड़ासे और कुदाल से हमला कर युवक का किया कत्ल ,घर बुलाकर की निर्मम हत्या

गोरखपुर, (संवाददाता)। जिले के थाना बृजमनगंज के ग्राम पंचायत खडखोडी निवासी हजारी (35) पुत्र राजकुमार की रंजिश में कुदाल व गड़ासे से हत्या कर दी गई। वारदात रात साढ़े आठ बजे की है। आनन–फानन में परिजन घायल को लेकर सीएचसी लोटन पहुंचे, अस्पताल पर पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। घायल हजारी के साथ आए परिजन

ने बताया कि उसी गांव के ही एक व्यक्ति से पुरानी रंजिश चल रही थी। किसी बात व मामले को लेकर दूसरे पक्ष से पूछताछ करने लगा। इसी दौरान विवाद हो गया। विवाद के बाद उसके घर वालों ने हजारी को मिलकर कुदाल व गड़ासे से हमला शुरू कर दिया। परिजन नजदीक के सिद्धार्थनगर जिले के लोटन सीएचसी ले आए। अस्पताल पहुंचते ही हजारी की मौत हो गयी। इसकी सूचना बृजमनगंज पुलिस को दे दी गई है। घटना के असली कारण का पता नहीं चल पाया है। थानाध्यक्ष बृजमनगंज मदन मोहन मिश्रा ने बताया कि घटना की जानकारी है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।